शनिवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

14 फरवरी 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 22
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दून में कानून-व्यवस्था पर बवाल

●कांग्रेस ने पुलिस मुख्यालय घेरा

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य की ध्वस्त पडी कानून व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने आज प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसी नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि राज्य की कानून व्यवस्था पटरी पर नहीं आई तथा लगातार हो रही हत्याओं पर लगाम नहीं लगा तो कांग्रेस उग्र आन्दोलन को मजबूर होगी। पुलिस मुख्यालय घेराव कार्यक्रम में चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह एवं चुनाव प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत भी शामिल रहे।

ध्वस्त कानून व्यवस्था के चलते राज्यभर में लगातार हो रही निर्मम हत्याओं के विरोध में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह एवं चुनाव प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से पुलिस मुख्यालय तक मार्च निकाला और पुलिस मुख्यालय का घेराव करते हुए पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से

कांग्रेस नेताओं ने उत्तराखंड में दिन-दहाड़े हो रहे हत्याकांडों एवं बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की।

पुलिस मुख्यालय घेराव के उपरान्त पुलिस महानिदेशक को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी ने कहा कि विगत कुछ समय से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून सहित विभिन्न जनपदों में दिन-दहाड़े घटित हो रही हत्या एवं गंभीर आपराधिक घटनाओं से आमजन में भय, असुरक्षा एवं चिंता का वातावरण व्याप्त है। उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय एवं देवभूमि कहे जाने वाले राज्य की राजधानी एवं अन्य महानगरों में हाल के दिनों में दिन-दहाड़े घटित हुई हत्याकांड की घटनाओं ने समूचे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ न केवल राज्य की

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने ग्रहण किया एसएसपी देहरादून का पदभार

संवाददाता

देहरादून। दून एसएसपी का कार्यभार ग्रहण करते हुए प्रमेन्द्र डोभाल ने कहा कि पुलिसकर्मियों का मनोबल को ऊंचा रखते हुए कार्यक्षमता को बढाने पर फोकस रखते हुए सामाजिक सौहार्द बिगाडने का प्रयास करने वालों के विरूद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

आज यहां प्रमेन्द्र डोभाल द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून का कार्यभार ग्रहण किया गया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त प्रेस वार्ता में उनके द्वारा बतौर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अपनी प्राथमिकताओं के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। महिला सुरक्षा, कानून

व्यवस्था की स्थिती को और अधिक बेहतर करना तथा यातायात सुधार की दिशा में और अधिक महत्वपूर्ण कार्य किये जाने को अपनी प्राथमिकता बताते हुए महोदय द्वारा अवगत कराया कि इस दिशा में और अधिक ठोस प्रयास किये जायेंगे, साथ ही पुलिस बल के मनोबल को ऊंचा रखते हुए उनकी कार्यक्षमता को बढाने की दिशा में प्रयास किये जायेंगे। इस दौरान उनके द्वारा सामप्रदायिक सौहार्द तथा धार्मिक सामंजस्य को बिगाडने का प्रयास करने वालो को स्पष्ट संदेश दिया कि ऐसे अराजक तत्वों के विरूद्ध जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्यापन अभियान का सच?

उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा चलाये जा रहा सत्यापन अभियान की सच्चायी क्या है इसकी बानगी बीते रोज राजधानी देहरादून के राजपुर रोड में हुए विक्रम शर्मा नामक व्यक्ति की हत्या के बाद सामने आया है। अब तक की गयी पुलिस की छानबीन में पता चला है कि विक्रम शर्मा झारखण्ड का एक नामचीन गैंगस्टर था जिस पर हत्या सहित अन्य संगीन अपराधो के 50 से अधिक मुकदमें दर्ज थे। सोचनीय सवाल यह है कि आखिर वह मित्र पुलिस के सत्यापन अभियान के रडार पर अब तक क्यों नहीं आया था। इसका सही जवाब यह है कि मित्र पुलिस का यह सत्यापन अभियान सिर्फ मलिन बस्तियों के इर्द-गिर्द तक ही सीमित रहता है। पाश इलाकों में जाने से मित्र पुलिस भी कतराती है। जबकि राजधानी देहरादून में अब तक बाहरी राज्यों के कई बड़े बदमाशों के छिपकर रहने के कई मामले सामने आ चुके है। जिनमें से एक मामला तो इतनी सुर्खियों आया था कि मित्र पुलिस की कार्यशैली पर देश भर में चर्चाए हुई थी। यहां सहस्त्रधारा रोड पर पंजाब की बुड़ैल जेल में हमला कर आंतकियों को छुडाने वाला अपराधी निवास करता था। यही नही कुछ वर्ष पूर्व बिहार पुलिस द्वारा देहरादून के बसंत बिहार में छापेमारी कर वहां के एक नामी गिरामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया था। जिस पर कई हत्यायों के केस दर्ज थे। कश्मीर के कुछ आंतकियों के तार भी पूर्व में राजधानी देहरादून से जुड़ चुके है। ऐसे में सवाल उठता कि क्या मित्र पुलिस का सत्यापन अभियान सही तरीके से चल रहा है? पुलिस प्रशासन को अब अपनी इस तरह की गलतियो को सुधारने की जरूरत है। सत्यापन अभियान को अगर सही तरीके से चलाना है तो मित्र पुलिस को पाश इलाके भी खंगालने होगें नहीं तो इस तरह की वारदाते बार बार सामने आती रहेगी? और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठता रहेगा।

सत्यमेव जयते पर सभी को विश्वास करना चाहिएः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतवर्षीय ब्राहमण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने कहा कि सत्यमेव जयते पर सभी को विश्वास करना चाहिए।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारो से वार्ता करते हुए अखिल भारतवर्षीय ब्रहामण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने कहा कि आए हुए सम्मानित मीडिया का बहुत-बहुत आभार और कहा कि केंद्र सरकार जनमानस में जातियों को बाट कर जनमानस को लड़वाना चाहती है। यह बड़े दुख की बात है हिंदुस्तान में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू व भारतीय है ना कि किसी का विरोधी है हिंदुस्तान में ब्राह्मणों और स्वर्ण समाज को सरकार यह समझ बैठी है कि इनके ऊपर जैसे चाहे चाबुक चला दो। उत्तराखंड में शांति व्यवस्था बनी हुई थी लेकिन कुछ समय से दिनदहाड़े हत्याये होने शुरू हो गई। केंद्र सरकार यूजीसी एक्ट को लेकर आई,इस एक्ट का विरोध सवर्ण समाज कर रहा हैं और सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात रखी तो, उस पर अभी सुनवाई होनी है। लेकिन उसका भी विरोध हो रहा है हमें संविधान पर विश्वास करना चाहिए डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविध ान को बनाकर जनमानस को सुविधा और न्याय दिलाने के लिए संविधान तैयार किया था। लेकिन अन्य जातियों के लोग खुलकर यू जी सी बिल के समर्थन में आ गए हैं और ब्राह्मणों और स्वर्ण समाज को गालियां दे रहे हैं। ब्राह्मणों की चोटी, जनेऊ, तिलक वस्त्र पर भी कुछ जनमानस उल्टा सीधा बोलकर अपमानित कर रहे हैं जगह-जगह पर डपली बजाकर नारे लगा रहे हैं। अर्नगर्ल बयान बाजी ब्राह्मणों के प्रति दिन रात कर रहे उत्तराखंड महासभा जनमानस से प्रार्थना है कि हिंदुस्तान सोने की चिड़िया कहलाने वाला देश माना जाता है इसमें शांति भाईचारा प्रेम और सौहार्द बनाकर हमें अपने जीवन को जीना चाहिए और जनमानस की सेवा में समर्पित रहकर कार्य करना चाहिए।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड इस नारे का खुलकर विरोध करती है और सरकार से मांग करती है ऐसे नारो को बैन किया जाए। और यू जी सी बिल में संशोधित कर जन मानस को समानता का अधिकार देना चाहिए। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से पंडित मनमोहन शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, पंडित उमाशंकर शर्मा महासचिव, पंडित लालचंद शर्मा संरक्षक, पंडित सुरेंद्र दत्त शर्मा संरक्षक, मनोज कुमार शर्मा संगठन मंत्री, सत्येंद्र कुमार दीक्षित प्रदेश युवा अध्यक्ष, संजय खंडूड़ी जिला अध्यक्ष, राकेश मिश्रा, सचिन दीक्षित महामंत्री आदि मौजूद रहे।

डीएम की संस्तुति पर उप निबन्धक ऋषिकेश निलम्बित, मुख्यालय सम्बद्ध

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के औचक निरीक्षण के दौरान गम्भीर अनियमितताएं पाये जाने पर उपनिबन्धक को निलम्बित करते हुए मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया।

आज यहां जिला प्रशासन की रिपोर्ट पर शासन ने बड़ा एक्शन लेते हुए उप निबन्धक ऋषिकेश को निलिम्बत करते हुए मुख्यालय सम्बद्ध कर दिया है। विगत माह आमजन को रजिस्ट्रार कार्यालय में आ रही समस्याओं एवं शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी सविन बसंल ने सब रजिस्ट्रार कार्यालय ऋषिकेश का औचक निरीक्षण किया था। आमजन की पीड़ा व शिकायतों से प्रेरित डीएम सविन बसंल के सब रजिस्ट्रार कार्यालय ऋषिकेश के औचक निरीक्षण में गंभीर अनियमिताएं उजागर हुई थी जिनमें गहन स्टाम्प चोरी, फर्जी कार्मिक व सब रजिस्ट्रार के बगैर ही लिपिक द्वारा अनाधिकृत रूप विलेख पंजीकरण कार्यवाही सम्पादित करना, कार्यालय में वर्षो से आमजन के मूल अभिलेख लम्बित पाये जाना, सम्पति मूल्य आंकलन का कोई ज्ञान न होना, करोड़ो की स्टाम्प चोरी हुई, औद्योगिक क्षेत्रों में आवासीय दरों पर भूखंड के छोटे टुकड़े कर कई रजिस्ट्रीयां बरामद हुई थी। निरीक्षण के दौरान उपस्थित फरियादियों ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि मूल अभिलेख लौटाने, रजिस्ट्री की नकल देने में आमजन को परेशान किया जा रहा है। कार्यालय में कई महीनों से मूल अभिलेख आवेदकों को वापिस नही किए गए तथा ना ही मुख्यालय को सूचना प्रेषित की गई। जबकि अधिकतम तीन दिन है सीमा, परंतु सैकड़ों मूल विलेख अलमारी में धूल खा रहे थे अर्जेंट रजिस्ट्री नकल अनुमन्य 24 घंटे के सापेक्ष महीनों/वर्षों से मिली लम्बित मिले। जिस पर यह एक्शन लिया गया। इस एक्शन से अन्य रजिस्ट्रार कार्यालयों में भी औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। जिलाधिकारी सविन बसंल ने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के अन्तर्गत उप निबंधक कार्यालय, ऋषिकेश का उप जिलाधिकारी, ऋषिकेश एवं जिला शासकीय अधिवक्ता देहरादून की उपस्थिति में औचक निरीक्षण किया, जिसके परिणामस्वरूप उप जिलाधिकारी, ऋषिकेश एवं जिला शासकीय अधिवक्ता की संयुक्त जॉच आख्या के आधार पर हरीश कुमार, उप निबंधक, ऋषिकेश के बिना किसी सूचना के अनुपस्थिति, संदर्भगत कार्यालय में तत्समय तैनात निबंधक लिपिक द्वारा पंजीकरण की कार्यवाही सम्पादित करना पाया गया। तथा फर्जी कर्मचारी से अनाधिकृत तौर से विलेखों का पंजीकरण निष्पादित कराया जाना, पंजीकृत दस्तावेजों को कार्यालय में महिनों / वर्षों तक विधि विरूद्ध तरीके से धारित/लंबित रखना, ग्राम माजरी ग्रांट, तहसील डोईवाला में दून घाटी विशेष महायोजना 2031 के अंतर्गत आरक्षित औद्योगिक भूमि का आवासीय दरों पर पंजीकरण की कार्यवाही चल रही थी। उप निबन्धक हरीश कुमार द्वारा वर्तमान में प्रचलित / विद्यमान नियमों / अधिनियमों का यथा-भारतीय स्टाम्प (उत्तराखण्ड संशोधन) अधिनियम 2015 की धारा 47क, भारतीय रजिस्ट्रेशन मैनुअल के नियम 325, नियम 195 व 196, सुराज भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जनसेवा अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना का संज्ञान नहीं लिया गया है, जिससे स्टाम्प अपवंचना के दृष्टिगत सरकार को गहन राजस्व क्षति हुई है। निरीक्षण के दौरान पंजीकरण प्रक्रिया में खुलेआम कानून उल्लंघन, फर्जी कर्मचारी से रजिस्ट्रियां कराना तथा वर्षों से संगठित रूप से स्टांप चोरी किए जाने के प्रमाण सामने आए हैं। उप निबंधक की अनुपस्थिति में अवैधानिक रूप से रजिस्ट्रियां की जा रही थीं तथा पंजीकृत दस्तावेज महीनों-वर्षों तक कार्यालय में दबाकर रखे गए। कार्यालय में बाहरी व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्रेशन कार्य कराए जाने से शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका जताई गई है। जांच में दून घाटी विशेष महायोजना-2031 के अंतर्गत औद्योगिक भू-उपयोग वाली भूमि को आवासीय दर्शाकर दर्जनों छोटे भू-खण्डों में रजिस्ट्री कराए जाने का मामला भी उजागर हुआ है, जिससे न केवल स्टांप अपवंचना हुई बल्कि भूमि क्रेताओं के साथ भी धोखाधड़ी की गई। निरीक्षण दौरान पाई गई कमियों पर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

मंसूरी लघु व्यापारियों ने संजय चोपड़ा से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

हरिद्वार। मंसूरी रेडी पटरी संघर्ष समिति के अध्यक्ष रामकिशन राही ने हरिद्वार पहुंचकर लघु व्यापार एसोसिएशन के संजय चोपडा से शिष्टाचार भेंट की।

आज यहां मंसूरी रेड़ी पटरी संघर्ष समिति के अध्यक्ष रामकिशन राही ने प्रतिनिधिमंडल के रूप में हरिद्वार पहुंचकर लघु व्यापार एसो. के मुख्य कार्यालय पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा से शिष्टाचार मुलाकात कर मंसूरी क्षेत्र में पूर्व से अपने कारोबार स्थानों अपना व्यापार संचालित कर रहे स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के मंसूरी नगर पालिका द्वारा उनके स्थान से हटाए जाने के विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। मंसूरी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों का व्यापार बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने मंसूरी के लघु व्यापारियों की समस्या के निदान के लिए मंसूरी में प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा को आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने मंसूरी नगर पालिका प्रशासन को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार मंसूरी लघु व्यापार बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी के साथ वार्ता कर समस्या का निदान किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार मंसूरी शहरी क्षेत्र के विकास के लिए जो भी कार्य किया जा रहे हैं उन सभी विकास की योजनाओं में पार्किंग के नजदीक व सार्वजनिक स्थलों का भौतिक निरीक्षण कर वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना उचित होगा। इस अवसर पर मंसूरी लघु व्यापार बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष रामकिशन राही ने कहा मंसूरी एक पर्यटन नगरी है भारी तादाद में देश-विदेश से पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। नगर पालिका मंसूरी यदि टाउन प्लान बना रही है टाउन प्लान में स्थानीय रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को भी योजनाबद्ध तरीके से समाहित किये जाने की कार्रवाई पर मंसूरी के स्थानीय निवासी लघु व्यापारियों के भी सुझाव सम्मिलित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा शीघ्र ही प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में मंसूरी नगर पालिका को सार्वजनिक तौर पर प्रस्ताव दिए जाएंगे। हरिद्वार पहुंचकर प्रतिनिधि मंडल के रूप में मंसूरी रेडी पटरी संघर्ष समिति के पदाधिकारी में अध्यक्ष रामकिशन राही, उपाध्यक्ष कमल कुमार महासचिव संजय टम्टा सचिव गोविंद प्रसाद नौटियाल, कोषाध्यक्ष साजिद सिद्दकी, सदस्य भारत बहादुर, मुकेश टम्टा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

करोड़ों की सरकारी संपत्ति बनी खंडहर

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नेताला में अविभाजित उत्तर प्रदेश के समय बना अचल प्रशिक्षण केंद्र और कोविड महामारी के समय करोड़ों की धनराशि खर्च कर बना आरपीसीआर लैब का भवन जर्जर बना है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और शासन-प्रशासन की अनदेखी के कारण सरकारी संपदा बरबाद हो रही है।

केंद्र का निर्माण दूरस्थ क्षेत्र के एएनएम को प्रशिक्षण देने के लिए किया गया था। वहीं आरपीसीआर लैब के भवन में उच्च तकनीकी की लैब स्थापित की जानी थी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अपनी संपत्ति की स्थिति का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। नेताला में अविभाजित उत्तर प्रदेश के समय अचल प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण इसलिए किया गया था कि सीमांत जनपद के युवाओं को अपने घर पर भी एएनएम का प्रशिक्षण मिल पाएगा लेकिन इसके भवन का कभी प्रयोग नहीं किया गया।

उत्तराखंड बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब शायद यह केंद्र शुरू होने से युवाओं को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षण मिलेगा लेकिन सरकारें बदली और समय के साथ इसका बहुमंजिला भवन जर्जर होने के कारण वीरान हो गया। कोविड महामारी के दौरान आरपीसीआर जैसी जांचों के लिए लोगों को देहरादून की दौड़ लगानी पड़ रही थी तो उस समय शासन-प्रशासन ने वहां पर केंद्र के नजदीक में खाली पड़ी भूमि पर करोड़ों की लागत से लैब भवन का निर्माण किया गया। अब दोनों भवनों का प्रयोग नहीं होने के कारण ग्रामीणों के घास और अन्य सामान रखने के काम में प्रयोग हो रहा है लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से इन भवनों के उचित प्रयोग के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। सीएमओ डॉ. बीएस रावत का कहना है कि केंद्र के संचालन के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है। दो से तीन माह में इस पर कार्रवाई होने की उम्मीद है।

राजभवन घेराव की तैयारी तेज, मायापुर भवन में कांग्रेस की बैठक

हरिद्वार(आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर 16 फरवरी को राजभवन घेराव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला महानगर कांग्रेस कमेटी ने देवपुरा स्थित मायापुर भवन में बैठक की। इसमें नेताओं ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भर्ती घोटालों और महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के आरोप लगाते हुए राजभवन घेराव में भागीदारी करने का आह्वान किया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा राजभवन घेराव में कांग्रेसजन अहंकारी और दिशाहीन सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे।

पूर्व विधायक रामयश सिंह और पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग संतोष चौहान ने कहा कि 16 फरवरी का कार्यक्रम यह तय कर देगा कि प्रदेश से महिला, युवा और रोजगार विरोधी सरकार की विदाई तय है। राजबीर सिंह, महेश प्रताप राणा, ओपी चौहान, इरफान अंसारी, राजीव भार्गव और कैलाश भट्ट ने कहा कि राजभवन घेराव ऐतिहासिक होगा। जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस अंजू मिश्रा और पूर्व अध्यक्ष अंजू द्विवेदी ने घेराव में महिलाओं से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। इस मौके पर पार्षद हिमांशु गुप्ता, विवेक भूषण, विकास सिंह, नितिन तेश्वर, अंकित चौहान, विजय प्रजापति, शहाबुद्दीन अंसारी, रियाज अंसारी, उपेंद्र कुमार, विमल शर्मा, हिमांशु राजपूत, सुरेंद्र ठाकुर, शुभम जोशी, सुनील प्रजापति, शिवा लोधी, रचना शर्मा, ममता सिंह, जावेद खान, दिव्यांश अग्रवाल, आशीष प्रधान, आशीष भारद्वाज, अनिल ठाकुर, अज्जू खान, मोहन सिंह राणा, अरुण चौहान, वीरेंद्र भारद्वाज व उदित विद्याकुल आदि मौजूद रहे।

एक माह में ही धंसने लगी 20 लाख से बनी इंटरलॉक सड़क

कोटद्वार(आरएनएस)। भाबर के झंडीचौड़ उत्तरी में करीब 20 लाख की लागत से हाल ही में सीमेंटेड टाइल्स से बनी इंटरलॉक सड़क एक माह में ही जगह जगह धंसने लगी है। निर्माण को एक माह भी नहीं हुआ और सड़क पर गड्ढे पड़ चुके हैं। स्थानीय लोगों ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई कर सड़क को ठीक करवाने की मांग की है। पूर्व पार्षद अमित नेगी, पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह पाल, स्थानीय निवासी धर्मेंद्र अग्रवाल, सुमन बिष्ट, इंद्रजीत सिंह रावत, गीता सिंह का कहना है कि झंडीचौड़ रामलीला मैदान से भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय की ओर जाने वाला संपर्क मार्ग पहले डामर था।

लोक निर्माण विभाग द्वारा करीब 20 लाख से मार्ग को सीमेंटेड टाइल्स से इंटरलॉक बनाया जा रहा था। सड़क निर्माण का ठेका दिया गया था। लोगों का कहना है कि मार्ग पर विश्वविद्यालय होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन रहता है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि संबंधित ठेकेदार ने इंटरलॉक सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जिससे सड़क मात्र एक महीने में ही धंसने लगी है। कई जगह पर सीमेंटेड टाइल्स एक-दूसरे से अलग होकर निकल गई हैं। सड़क के घटिया निर्माण से लोगों में आक्रोश है। उन्होंने लोनिवि से सड़क निर्माण में इस्तेमाल की गई निर्माण सामग्री की जांच करने, सड़क पूरी तरह ध्वस्त होने से पहले उसमें व्यापक सुधार कराने और संबंधित ठेकेदार से रिकवरी करने के साथ उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

जल संस्थान के सामने 12.12 करोड़ की वसूली की चुनौती

नई टिहरी(आरएनएस)। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर जलकर देयकों की 12 करोड़ रुपये की वसूली करना जल संस्थान के लिए बड़ा लक्ष्य है। इसमें सरकारी विभाग से लेकर जिला मुख्यालय में निवासरत टिहरी बांध विस्थापित और अन्य घरेलू के साथ ही व्यवसायिक उपभोक्ता बकाएदार शामिल हैं। इस बार विलंब शुल्क की छूट नहीं मिलने के कारण लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा। बावजूद कनेक्शन विच्छेद की समस्या से बचने के लिए जल संस्थान बकाया बिल जमा कराने के प्रयास में जुटा है।

जल संस्थान की नई टिहरी शाखा के सामने पानी के भारी-भरकम 12.12 करोड़ रुपये के बकाया बिलों की वसूली करना बड़ी चुनौती है। वर्ष 2024-25 की तरह इस बार अभी तक पुराने बिलों के विलंब शुल्क की शतप्रतिशत छूट नहीं मिलने के कारण उपभोक्ता भी असमंजस में है। बकायेदारों में सबसे अधिक घरेलू और व्यवसायिक उपभोक्ता हैं। उन पर 5.61 करोड़ का बकाया है। जबकि नई टिहरी में टिहरी बांध विस्थापित भी 3.53 करोड़ के बकायेदार हैं।

सरकारी विभाग भी 2.97 करोड़ रुपये के बकाएदार हैं। जल संस्थान समय-समय पर विलंब शुल्क में छूट देता है लेकिन इस बार अभी तक छूट संबंधी को दिशा-निर्देश नहीं मिलने के कारण विलंब शुल्क के साथ देयकों का शतप्रतिशत भुगतान करने में भी घरेलू उपभोक्ताओं के पसीने छूटने वाले हैं। मार्च 2019 में मंत्रीमंडल ने टिहरी बांध प्रभावितों को पूर्व से लंबित जलकर और सीवर शुल्क के लंबित देयकों को माफ कर दिया था। योजना के रखरखाव और संचालन पर वर्ष 2006-07 से 2017-18 तक व्यय की गई धनराशि में से वसूली गई राशि के अलावा अवशेष धनराशि का भुगतान टीएचडीसी से भुगतान कराने के लिए प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया था जबकि विभाग को हुए नुकसान की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार ने देनी थी।

भविष्य में जलकर और सीवर शुल्क की वसूली संबंधी निर्णय के लिए मंत्रीमंडल की उप समिति गठित की गई थी लेकिन अभी तक समिति का निर्णय नहीं आ पाया है। इससे सभी बांध प्रभावित 2018 के बाद से बकायेदारों की श्रेणी में हैं। उपभोक्ताओं से जलकर के सभी देयकों का भुगतान करने की अपील जा रही है। इस बार अभी तक विलंब शुल्क की छूट संबंधी कोई आदेश नहीं आया है। टिहरी बांध विस्थापितों के संबंध में कोई निर्णय नहीं आया है। 2018 के बाद विस्थापित बकाएदारों की श्रेणी में चल रहे हैं।

लालढांग मार्ग निर्माण के लिए पूर्व सैनिक रविंद्र सौंद का अनशन शुरू

कोटद्वार(आरएनएस)। भाबर के चिल्लरखाल में संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहे आंदोलन के 153वें दिन पूर्व सैनिक रविंद्र सौंद तीन दिन के लिए अनशन पर बैठ गए हैं। वहीं, सड़क निर्माण के लिए चल रहा ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। बृहस्पतिवार को समिति के संयोजक प्रवीण थापा के नेतृत्व में लालढांग चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए धरना प्रदर्शन किया गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार मामले की सुप्रीम कोर्ट में ठीक से पैरवी नहीं कर पा रही है। आंदोलन 153वें दिन में पहुंच गया है लेकिन शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई भी धरना स्थल पर नहीं पहुंचा है। पूर्व सैनिक रविंद्र सौंद ने बताया कि चिल्लरखाल में आंदोलन की रणनीति बदलकर अब दिन-रात कर दी गई है। बृहस्पतिवार सुबह से वह तीन दिन के लिए क्रमिक अनशन पर बैठ गए हैं। कहा कि क्षेत्रवासी वन कानूनों की अड़चन को देखते हुए मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग कर रही है। धरना देने वालों में प्रकाश रावत, नरेश धस्माना, अमित अमोली, कृपाल सिंह गुसाईं, पीतांबर कपटियाल, देवीदत्त, गोवर्धन काला, मोहन जोशी, कल्पना जोशी, दीपा अधिकारी, आरती, अंजू देवी, राधा देवी, पुष्पा मेहरा, पुष्पा रावत आदि शामिल रहे।

पेयजल योजनाओं का काम जल्द पूरा करें : आर्य

नई टिहरी(आरएनएस)। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जल संस्थान और जल निगम को लंबित पेयजल योजनाओं का काम जल्द पूरा करने को कहा है। आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर सुचारू जलापूर्ति सुनिश्चित करने के भी कड़े निर्देश दिए हैं। कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बृहस्पतिवार को डीएम ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में दोनों विभाग के अधिशासी अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने लंबित कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में जल संस्थान और निगम के अभियंताओं ने बताया जिले में संचालित कुल 1293 पेयजल योजनाओं में से 82 योजनाएं वर्तमान में लंबित हैं। लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विभागों की ओर से संचालित सभी योजनाओं का विधिवत सत्यापन कराने के निर्देश दिए। कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कमी न रहे और जनता को इन योजनाओं का सीधा लाभ मिलना सुनिश्चित हो। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा कर डीएम ने कहा कि एकल ग्राम पंपिंग योजनाओं के विलयीकरण के संबंध में ग्राम सभाओं की ओर से प्राप्त होने वाले सुझावों और प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करें। योजनाओं को व्यावहारिक बनाने के लिए स्थानीय निकाय और ग्राम सभाओं के फीडबैक को प्राथमिकता दें। अधिशासी अभियंता एलसी रमोला ने कोटियाल गांव योजना का कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी। वर्तमान में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। बैठक में अधीक्षण अभियंता जल संस्थान विनोद रमोला, ईई जल संस्थान एलसी रमोला, विनोद पांडेय, ईई जल निगम मधुकांत कोटियाल उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों ने देखा कैसे बोई जाती है फसल

ऋषिकेश (आरएनएस)। पीएमश्री हरित विद्यालय योजना के तहत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रायवाला के प्राथमिक विभाग के तीसरी, चौथी तथा पांचवी कक्षा के छात्र-छात्रों को हरिद्वार स्थित कृषि विज्ञान केंद्र धनौरी का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें केंद्र में मुर्गी और गो पालन आदि की प्रक्रिया को करीब से देखने का मौका मिला। कृषि विज्ञान केंद्र में बोई जा रही फसलों का तौर-तरीका देखा। उन्होंने उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग के बारे में जाना। केंचुओं से बनाने वाली खाद के बारे में जाना और इसकी उपयोगिता को भी समझा। प्राचार्य रीता इंद्रजीत सिंगब ने बताया कि पीएमश्री योजना के तहत भ्रमण से बच्चे काफी उत्साहित हैं।

ट्रेंच विधि से करें किसान गन्ने की बुआई

रुड़की(आरएनएस)। गन्ना विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को बसंत कालीन गन्ने की बुआई ट्रेंच विधि से करने को जागरूक किया। इसके साथ ही ही गन्ने की उन्नत किस्म के बारे में भी जागरूक किया।

गन्ना विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को गन्ने की बुआई और लाल सड़न रोग से गन्ने की फसल के बचाव की जानकारी दी। गन्ना विकास समिति व गन्ना विकास परिषद के अधिकारियों की ओर से तहसील क्षेत्र के किसानों को बसंत कालीन गन्ने की बुआई के लिए लगातार जागरूक कर रहे हैं। उनके किसानों को खेतों में पहुंचकर ट्रेंच विधि से ही गन्ने की बुआई करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। लक्सर गन्ना विकास समिति के विशेष सचिव सूरज भान सिंह ने लक्सर तहसील क्षेत्र के गांवो में खेत में पहुंचकर किसानों को ट्रेंच विधि द्वारा गन्ना बुआई के लाभ बताए। उन्होंने बताया कि इस विधि द्वारा गन्ना उत्पादन 20-25 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

उन्होंने बताया कि लोकप्रिय गन्ना प्रजाति को 0238 में लाल सड़न रोग दिखाई दे रहा है। जो कि खतरे की घंटी है। यह बीमारी कैंसर के समान है तथा एक बार इस रोग से ग्रसित होने के बाद गन्ना प्रजाति को सुरक्षित रखना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने इस रोग के प्रारंभ होने के लक्षण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि यह घातक रोग हवा, पानी, मिट्टी और रोगी गन्ने की बुआई करने से फैलता है। इसकी रोकथाम के लिए प्रत्येक किसान को गन्ने की छटाई कर नर्सरी बनाना चाहिए। गन्ना विकास समिति के विशेष सचिव सूरजभान सिंह ने बताया कि नर्सरी से ही बीज लेकर उसे उपचारित कर बुआई की सलाह दी। गन्ना बुआई में ट्राइकोडरमा 10 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से अवश्य प्रयोग करें। साथी बुआई से पहले खेतों में उचित खाद का प्रयोग भी करें। इस मौके कृष्णपाल चौहान, अरविंद कुमार, कौशल बाबू, कालूराम चौधरी, व सुशील चौधरी आदि अनेक शामिल रहे।

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

हरिशंकर व्यास

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है।

इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है।

भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्ते रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है। इसके अलावा भारत के पास इसरो के रूप में एक ऐसी संस्था है, जिसने पहले से पूरी दुनिया में अपना बाजार बनाया है। उसको राजनीति में घसीटने की बजाय उसे और मजबूत बनाया जाए तो वहां से दुनिया भर के सेटेलाइट लॉन्च होंगे, जिनसे भारत को आय होगी।

भारत की बड़ी समस्या यह है कि यहां के अरबपति, खरबपति सब यही के 140 करोड़ लोगों की जेब से पैसे निकालने और सरकारी व प्राकृतिक संपदा का दोहन करके अपना खजाना भरने में लगे हैं। वे शोध व विकास यानी आरएंडडी पर धेला खर्च नहीं करते हैं। वे कोई जोखिम नहीं लेते हैं। उनकी सारी कमाई दुनिया की बड़ी कंपनियों का माल बेच कर है या सरकारी ठेके हासिल करने से है। सरकार खुद भी आरएंडडी पर बहुत कम खर्च करती है।

सरकार रिसर्च पर अपना खर्च बढ़ाए, शिक्षण संस्थाओं को बेहतर करे और निजी सेक्टर को निवेश करने के लिए प्रेरित करे तब भी भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और उसके बाद भारत अपना सामान बाहर बेचने लायक बनेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्वीट कॉर्न खाना पसंद है? सुबह के नाश्ते में बनाएं ये 5 व्यंजन

स्वीट कॉर्न एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है, जिसे आप अपने नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। यह न केवल आपके शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि इसमें फाइबर और विटामिन्स भी होते हैं, जो आपके पाचन को स्वस्थ रखते हैं। आइए आज हम आपको स्वीट कॉर्न से बनने वाले पांच आसान और स्वादिष्ट नाश्ते की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में बना सकते हैं।

स्वीट कॉर्न उपमा

स्वीट कॉर्न उपमा एक सेहतमंद और स्वादिष्ट विकल्प है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सूजी को हल्का-सा भून लें, फिर एक पैन में तेल गर्म करके उसमें राई, उड़द दाल, मूंग दाल, करी पत्ते और हरी मिर्च डालें। अब इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें और थोड़ी देर पकने दें। इसके बाद भुनी हुई सूजी को इस मिश्रण में मिलाकर पानी डालें और ढककर पकने दें। जब पानी सूख जाए तो इसे गर्मागर्म परोसें।

स्वीट कॉर्न चाट

स्वीट कॉर्न चाट एक मजेदार और पौष्टिक स्नैक हो सकता है। इसके लिए उबले हुए स्वीट कॉर्न को एक बड़े बर्तन में डालें, फिर इसमें बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती मिलाएं। अब इसमें नींबू का रस, भुना जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक स्वादानुसार डालें। आप इसमें थोड़ा-सा चाट मसाला भी डाल सकते हैं। सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाकर इसे ठंडा होने दें और फिर इसे नाश्ते के रूप में परोसें।

स्वीट कॉर्न पकोड़े

स्वीट कॉर्न पकोड़े एक बेहतरीन स्नैक हो सकता है, जिसे आप चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बेसन में नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा-सा बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें और अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को छोटी-छोटी लोइयों में बनाकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। इन्हें गर्मागर्म परोसें।

स्वीट कॉर्न टिक्की

स्वीट कॉर्न टिक्की बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है। इसे बनाने के लिए उबले हुए आलू और स्वीट कॉर्न को मैश करें, फिर इसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब इस मिश्रण में नमक, गरम मसाला, धनिया पाउडर और थोड़ा-सा नींबू का रस डालें। इस मिश्रण को टिक्की का आकार देकर तवे पर हल्का-सा तेल डालकर सुनहरा होने तक सेंकें। इसे हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें।

स्वीट कॉर्न डोसा

स्वीट कॉर्न डोसा एक अनोखा और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है, जिसे आप सुबह के नाश्ते या शाम की चाय के साथ खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चावल, उड़द दाल और मूंग दाल को रातभर पानी में भिगोएं, फिर इन्हें पीसकर घोल बना लें। अब इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें और थोड़ी देर खड़े रहने दें। इसके बाद तवे पर थोड़ा-सा तेल लगाकर इस घोल से डोसा बनाएं और इसे नारियल की चटनी के साथ परोसें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

शब्द सामर्थ्य -042

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

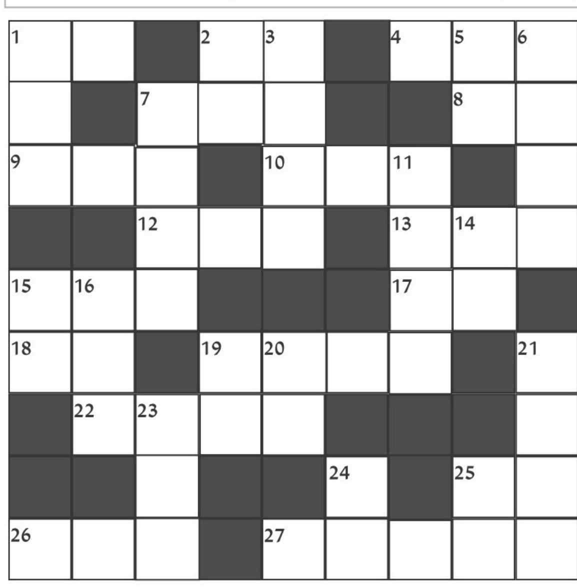

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 41 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

माना शंकरा वरप्रसाद गारू विदेशों में भी हिट साबित हुई

मेगास्टार चिरंजीवी का नाम सुनते ही बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदें बदल जाती हैं। इसका ताजा सबूत फिल्म माना शंकरा वरप्रसाद गारू है। संक्रांति 2026 के तोहफे के तौर पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म देश-विदेश में धूम मचा रही है। रिलीज के कुछ ही दिनों में मेगास्टार बॉक्स ऑफिस के बादशाह बन गए। चिरंजीवी और नयनतारा अभिनीत इस फिल्म को खूब सराहा जा रहा है। सिनेमाघरों में हाउसफुल चल रही यह फिल्म पारिवारिक दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। व्यापार सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म का कुल कलेक्शन विश्व स्तर पर 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

घरेलू बाजार तक ही सीमित नहीं, माना शंकरा वरप्रसाद गारू विदेशों में भी अपनी ताकत दिखा रही है। नवीनतम जानकारी के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि फिल्म ने विदेशों में 45 लाख डॉलर से अधिक की कमाई की है। यह लगभग 41 करोड़ रुपये के बराबर है। इस अवसर पर, निर्माण कंपनी गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि माना शंकरा वरप्रसाद गारू ने विदेशों में 45 लाख डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने ट्वीट किया, क्षेत्रीय उद्योग की सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर फिल्म का अनुभव सिनेमाघरों में करें। इस पोस्ट को मेगा फैंस से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

माना शंकरा वरप्रसाद गारू क्षेत्रीय फिल्म उद्योग में पहले से ही सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के साथ निर्देशक अनिल रविपुडी ने अपने करियर में एक और रिकॉर्ड बनाया है। यह फिल्म अनिल के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड बन गई है। व्यापारिक अनुमानों के अनुसार, फिल्म जल्द ही विदेशों में 5 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर सकती है।

माना शंकर वराप्रसाद गारू एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म है जो सभी वर्गों के दर्शकों को प्रभावित कर रही है। चिरंजीवी की दमदार उपस्थिति, हास्य अभिनय और भावुक दृश्य फिल्म की मुख्य ताकत हैं। नयनतारा ने अहम भूमिका में प्रभावित किया है, वहीं विक्ट्री वेंकटेश, कैथरीन और अन्य कलाकारों ने भी अपने-अपने किरदारों के साथ न्याय किया है।

फिल्म का निर्माण साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने किया है। उच्च स्तरीय निर्माण और त्योहारों के मौसम के अनुरूप मनोरंजन के तत्व फिल्म को ब्लॉकबस्टर की ओर ले जा रहे हैं।

इस फिल्म में चिरंजीवी एक भारतीय सुरक्षा अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। सुरक्षा का जिम्मा संभालते हुए एक केंद्रीय मंत्री अपने परिवार से बिछड़ जाते हैं। फिल्म की कहानी उस अधिकारी के सफर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नी और बच्चों से बिछड़ने के बाद अपने परिवार से फिर से मिलने की कोशिश करता है। अनिल रविपुडी ने एक्शन, भावनाओं और पारिवारिक मूल्यों का बेहतरीन मेल करके इस कहानी को रोचक बना दिया है।

कुल मिलाकर, माना शंकरा वरप्रसाद गारू न केवल मेगास्टार के करियर की एक और सुपर हिट फिल्म है, बल्कि क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के बॉक्स ऑफिस इतिहास में भी एक विशेष स्थान अर्जित कर रही है।

चांद मेरा दिल की रिलीज तारीख जारी, 10 अप्रैल को साथ आएंगे अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी

धर्मा प्रोडक्शंस एक और प्यारी-सी लव स्टोरी के साथ फैंस का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म का नाम चांद मेरा दिल है। इस फिल्म में नई जोड़ी अनन्या पांडे और लक्ष्य ललवानी पहली बार साथ नजर आएंगे। अच्छी खबर ये है कि फिल्म का रिलीज डेट फाइनल हो गई है।

यह प्यार भरी कहानी 10 अप्रैल 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी। अनन्या पांडे पिछले कुछ सालों में अपनी चुलबुली अदा से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। चाहे स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' हो या गहराइयां', उन्होंने हर रोल में कुछ नया दिखाया। अब वह रोमांटिक हीरोइन के रूप में नजर आने वाली हैं। उनके साथ लक्ष्य ललवानी जो किल जैसी फिल्म से अपना जलवा दिखा चुके हैं। धर्मा के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों की केमिस्ट्री बड़ा कमाल दिखा सकती है।

फिल्म का टाइटल अभी से ही लोगों के दिलों को छू रहा है। इसके नाम से लगता है कि यह कहानी दो दिलों के मिलन की होगी। धर्मा की फिल्में हमेशा प्यार को खूबसूरती से दिखाती हैं। ये जवानी है दीवानी' हो या हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया', हर बार दर्शक प्यार में डूब जाते हैं। इस बार भी वही जादू होने की उम्मीद है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में लक्ष्य की पहली वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हुई है। इस शो से उनकी लोकप्रियता और भी ज्यादा बढ़ गई है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस शो को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसका दूसरा सीजन भी आने वाले समय में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा।

फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है शहनाज गिल की जिंदगी

हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए पंजाब की कैटरीना को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रहीं। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से भागीं। शुरुआती दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। उनकी जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें पंजाब की कैटरीना का खिताब दिलाया।

शहनाज गिल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ। डलहौजी के डलहौजी हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने छोटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बी.कॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। आखिरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया और मॉडलिंग, एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी।

साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर माझे दी जट्टी, पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने आए। असली पहचान उन्हें गैरी संधू के येह बेबी रेफिक्स से मिली। पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने सत श्री अकाल, काला-शा-काला में काम किया।

हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह बिग बॉस 13 में पहुंचीं, जहां शहनाज ने खुद को पंजाब की कैटरीना कैफ कहकर सबका ध्यान खींचा। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं। शो के दौरान उनके पिता घर पहुंचे और उन्हें सपोर्ट किया। शहनाज शो की विनर तो नहीं बन पाईं, मगर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले प्रतिभागियों में से एक बनीं।

बिग बॉस के बाद शहनाज का करियर चमका। उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भुला दूंगा, कह गई सॉरी, कुर्ता पजामा, वादा है, शोना शोना जैसे कई हिट म्यूजिक वीडियोज किए। उन्होंने बॉलीवुड में सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया और थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आईं।

फिलहाल शहनाज अपनी पंजाबी रोमांटिक कॉमेडी इक कुड़ी से सुर्खियों में हैं, जिसे दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

आलिया भट्ट की अमेजन प्राइम वीडियो के साथ अगली पेशकश, फिल्म डोंट बी शाय का ऐलान

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है। जानिए इस फिल्म में क्या खास है?

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

आशा कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार, आंदोलन की दी चेतावनी

कोटद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता यूनियन के बैनर तले आशा कार्यकर्ताओं ने मांगों के समर्थन में हुंकार भरी। तहसील प्रांगण में धरने पर बैठी आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और नायब तहसीलदार को पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता यूनियन की ब्लॉक अध्यक्ष प्रभा चौधरी, उपाध्यक्ष मीरा नेगी एवं सचिव रंजना कोटनाला के नेतृत्व में दुगड्डा विकासखंड क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता तहसील परिसर में जुटीं। यहां धरने पर बैठी आशा कार्यकर्ताओं ने उनका आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अध्यक्ष प्रभा चौधरी ने कहा कि आशा कार्यकर्ता विभिन्न रूपों में उत्पीड़न का दंश झेल रही हैं। अब श्रमिक विरोधी श्रम संहिताएं थोंपी जा रही हैं। आशा कार्यकर्ताओं की भविष्य निधि, निशुल्क उपचार और पेंशन को लेकर सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही है। प्रदर्शनकारियों ने आशा कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी घोषित करने, श्रमिक विरोधी चारों श्रम संहिताएं रद्द करने, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये मासिक देने, भविष्य निधि एवं ईएसआईसी की सुविधा देने, 46वें श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों में ज्योति, सुमन, मीना, विनीता, धनेश्वरी, भागीरथी, कुसुम, हेमलता, मंजू, सुमित्रा, ललिता, बीना, इंदु, गीता, प्रीति, प्रवेश, विजयलक्ष्मी, संगीता, सुरभि, रोशनी, आशा, नीलम, रीता, कल्पना, पुष्पा, संजू सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता शामिल रहीं।

17 फरवरी के राजभवन घेराव में जुटी कांग्रेस

ऋषिकेश(आरएनएस)। कांग्रेस 16 फरवरी को लोकभवन के घेराव की तैयारियों में जुट गई है। वरिष्ठ कनिष्ठ एवं फ्रंटल संगठन के अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें ऋषिकेश से अधिक से अधिक संख्या में राजभवन घेराव में भागीदारी करने का आह्वान किया गया। रेलवे रोड स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि राज्य में बढ़ता भ्रष्टाचार राज्य के लिए चिंतनीय है। अब जनता को भी समझना होगा। जयेंद्र रमोला व महंत विनय सारस्वत ने कहा कि हमारे सभी नेताओं को बढ़ चढ़कर इस कार्यक्रम में जनता को शामिल करने के लिए अपील करनी चाहिए। बापूग्राम के लोग लगभग डेढ़ महीने से धरने पर बैठे हुए हैं और सरकार चुप्पी साधे बैठी है। बैठक में महानगर अध्यक्ष राकेश मियां, पुष्पा मिश्रा, मदन मोहन शर्मा, भगवती प्रसाद सेमवाल, ललित मोहन मिश्रा, संजय भारद्वाज, सिंहराज पोसवाल, बृजभूषण बहुगुणा, ऋषि सिंघल, अशोक शर्मा, मनीष जाटव, शोभा भट्ट, उमा ओबेरॉय, हरि सिंह नेगी, सूरत सिंह कोहली, रुकम पोखरियाल, सुमित चौहान, मधु मिश्रा, हिमांशु जाटव, पुरंजय भारद्वाज, बप्पी अधिकारी, भूपेंद्र, हिमांशु कश्यप, आदित्य सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सू- दोकू क्र.042

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 41 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

केंद्रीय बजट से उत्तराखंड में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा:प्रेमचंद

ऋषिकेश(आरएनएस)। भाजपा ओबीसी मोर्चा की ओर से ऋषिकेश में केंद्रीय बजट-2026 को लेकर श्रमिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय बजट-2026 से उत्तराखंड का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और पर्यटन को काफी बढ़ावा भी मिलेगा। विश्नोई धर्मशाला ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि पूर्व में रेल बजट और सामान्य बजट अलग-अलग प्रस्तुत किए जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब एकीकृत बजट की परंपरा स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि अवकाश दिवस होने के बावजूद बजट प्रस्तुत किया जाना सरकार की प्रतिबद्धता और कार्यसंस्कृति को दर्शाता है। इसमें बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन पर विशेष बल दिया गया है। एमएसएमई उद्योगों को सक्षम बनाने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के फंड का प्रावधान किया गया है जबकि टैक्स संबंधी नियमों का सरलीकरण किया गया है। बजट के माध्यम से स्मार्टफोन, लेदर, मखाना, बादाम, अखरोट एवं व्यक्तिगत उपयोग की आयातित दवाइयों को सस्ता किया गया है, जिससे आमजन को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट-2026 में उत्तराखंड को पर्वतीय विकास, पर्यटन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में विशेष लाभ प्राप्त होंगे। जड़ी-बूटी की खेती से किसानों की आय बढ़ाने, आयुष आधारित मेडिकल टूरिज्म को प्रोत्साहन देने तथा 40,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के माध्यम से राज्य के विकास को गति मिलेगी। साथ ही 16वें वित्त आयोग के तहत राज्य को लगभग 1,800 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता मिलने की संभावनाओं पर भी उन्होंने प्रकाश डाला।

ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य ने कहा कि बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु प्रत्येक जिले में छात्रावास की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट महिलाओं की समान भागीदारी और सशक्तीकरण का प्रतीक है। कार्यक्रम में ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष राजपाल ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरी, प्रदेश महामंत्री ओबीसी मोर्चा राजवीर कश्यप, प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा सतपाल सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश पाल, प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा कविता शाह, मंडल अध्यक्ष ऋषिकेश मनोज ध्यानी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा पुष्पा ध्यानी, पार्षद माधवी गुप्ता, पार्षद अजय दास, ज्योति पांडे, सुमित पवार, राजू शर्मा, नितिन सक्सेना,रूपेश गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 87 लोगों की जांच, परामर्श दिया

हरिद्वार(आरएनएस)। भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में स्वराज फाउंडेशन के सहयोग से निशुल्क नेत्र जांच, रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शहर के 87 लोगों और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकों से परामर्श भी लिया। महापौर किरण जैसल ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में सहायक होते हैं। वहीं, दर्जाधारी देशराज कर्णवाल भी शिविर में पहुंचे। उन्होंने छात्रों से कहा कि स्वस्थ शरीर सुरक्षित और समृद्ध समाज की आधारशिला है। प्रभारी प्राचार्य डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि युवाओं में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए शिविर आयोजित किया गया। छात्रों की आंखों की विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराई गई। आवश्यक दवाओं व सावधानियों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करता रहा है।

भालू प्रभावित क्षेत्र में वनकर्मियों के पहरे में परीक्षा देने जा रहे बच्चे

कोटद्वार(आरएनएस)। द्वारीखाल ब्लॉक के भालू प्रभावित क्षेत्र च्वरा और आसपास के बच्चे वन विभाग के पहरे में परीक्षा देने जा रहे हैं। जीआईसी चाक्यूसैंण के प्रधानाचार्य अरुण रॉय और अभिभावक शिक्षक संघ ने वन विभाग का आभार जताया है। बताया कि इन दिनों वार्षिक गृह परीक्षाएं चल रही हैं विकासखंड के च्वरा गांव के बच्चे भी उनके विद्यालय में पढ़ने आते हैं च्वरा गांव में बीते शनिवार को भालू ने हमलाकर एक महिला को बुरी तरह जख्मी कर दिया था। घटना के बाद से क्षेत्र में भालू की दहशत बनी हुई है। वन विभाग की ओर से क्षेत्र में गश्त की जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से स्कूली बच्चों को वन विभाग के पहरे और अभिभावकों के साथ ही आवाजाही कराई जा रही है।

बोर्ड परीक्षा में केंद्र व्यवस्थापक बनेंगे विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट

चमोली(आरएनएस)। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं के दौरान केंद्र व्यवस्थापक/प्रधानाचार्य को विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाएं शांतिपूर्वक व निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को समस्त व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर की ओर से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी से शुरू हो रही हैं। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए उत्तराखंड शासन से जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक को विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

किसानों ने भारत अमेरिका व्यापार समझौते का किया विरोध

हरिद्वार(आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने रोशनाबाद स्थित जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। किसानों ने भारत-अमेरिका के बीच हुए समझौते का विरोध जताया। किसानों ने कहा कि केंद्र सरकार ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों को खत्म करने की साजिश की है। समझौते को रद्द किया जाए। जनता को यूजीसी और अन्य मुद्दों में उलझाकर कृषि उत्पादों को अमेरिका से मंगाया जा रहा है। गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी है। लोगों को धर्म के नाम पर बांटकर इस प्रकार के समझौते किए जा रहे हैं। किसानों को स्वयं को बचाने के लिए संघर्ष करना होगा। सरकार किसानों का शोषण कर रही है। यह समझौता किसानों को आत्महत्या करने पर मजबूर करेगी। कमजोर प्रधानमंत्री देश को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। जो विपक्ष किसानों की बात करती है, उसको बोलने नहीं दिया जाता। जिलाध्यक्ष विजय कुमार शास्त्री ने कहा कि अमेरिका अपने उत्पादों में तो टैरिफ लगा रहा है लेकिन भारत से जाने वाले उत्पाद बिना टैरिफ के जाएंगे। डेयरी सेक्टर पर हमला किया गया है। लाखों दुग्ध उत्पादकों पर इसका बुरा असर पड़ेगा। सूबा सिंह ढिल्लो ने कहा कि यह समझौता केवल व्यापार का मामला नहीं है बल्कि किसान की आय, रोजगार आदि पर खतरा डालने वाला है। उन्होंने कहा कि समझौता रद्द नहीं होता है तो संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर दिल्ली कूच किया जाएगा। इस अवसर पर गुरविंदर सिंह, गुरपेज सिंह, वेदपाल पंवार, पंकज चौधरी, प्रदीप कुमार, लवदीप सिंह, नीलू, आशु त्यागी, गुड्डू चौधरी, सुकराम पाल, मास्टर कुंवर पाल, अजय शर्मा, अनुराग शर्मा, शोभाराम, आकाश सचदेवा, खेमचंद चौधरी, परवेज, चमन प्रकाश, सुदीप चौधरी, मेजर राणा, प्रबोध राणा, हरपाल, वेदपाल चौधरी, परगट सिंह, लोकेंद्र राठी, सुखा चौधरी, जोगेंद्र सिंह, जगमोहन कपूर, सतीश कुमार, सुधीर, शिवम चौधरी आदि सैकड़ों किसान शामिल रहे। दुद्दूदुद्दू तीन क्रय केंद्र खोलने की मांग हरिद्वार(आरएनएस)। भाकियू (टिकैत) युवा मोर्चा ने भी जिलाधिकारी को समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष पंकज चौधरी और अनिल कुमार ने बताया कि जिला गन्ना अधिकारी किसानों की समस्याओं को दूर नहीं कर रहे हैं। लक्सर क्षेत्र के किसानों को गन्ना केंद्र आवंटित किए जाएं ताकि किसान गन्ना बेच सकें। उन्होंने कहा कि उत्तम चीनी मिल के तीन केंद्र रायसी, लालपुर शाहबाद व रानी माजरा को जल्द खोला जाए। बार-बार जिला गन्ना अधिकारी के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन भी किया गया। अधिकारी द्वारा आश्वासन के बाद भी कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि उक्त तीनों क्रय केंद्रों पर सहमति बनी। इसके बाद भी इनको नहीं खोला गया।

एसएसपी को दी भावभीनी विदाई

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के जनपद हरिद्वार से जनपद देहरादून में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर स्थानांतरण होने पर आज कैम्प कार्यालय हरिद्वार में उनके विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद हरिद्वार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा एसएसपी डोबाल को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर शानदार विदाई दी गई। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके नेतृत्व, अनुशासनप्रिय कार्यशैली तथा जनहित में लिए गए प्रभावी निर्णयों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने कार्यकाल के दौरान एसएसपी डोबाल के कुशल नेतृत्व में जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रही तथा विभिन्न अभियानों के माध्यम से अपराध नियंत्रण एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की गईं। विदाई समारोह के दौरान एसएसपी डोबाल ने जनपद हरिद्वार में मिले सहयोग के लिए सभी अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया। समारोह भावुक क्षणों के साथ संपन्न हुआ, जहां समस्त स्टाफ द्वारा उन्हें नई जिम्मेदारी हेतु शुभकामनाएं दी गई।

घनसाली में खोया मोबाइल मिला बिहार से

संवाददाता

टिहरी। घनसाली में खोया मोबाइल फोन को पुलिस ने बिहार से बरामद कर उसके मालिक को सौंपा। मिली जानकारी के अनुसार 06 जनवरी 2025 को रोबिन कैन्तुरा पुत्र मकान सिंह कैन्तुरा निवासी ग्राम ओडाधार नैलचामी थाना घनसाली द्वारा थाना घनसाली पर उपस्थित होकर सूचना दी गई कि उनका मोबाइल फोन कहीं गुम हो गया है। सूचना प्राप्त होते ही थाना घनसाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मोबाइल की तलाश/सर्विलांस की कार्यवाही की गई। तकनीकी सहायता के माध्यम से मोबाइल फोन की लोकेशन बिहार राज्य में प्राप्त हुई, जिस पर आवश्यक समन्वय स्थापित कर मोबाइल फोन को बरामद कराया गया। बरामद मोबाइल फोन को वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए उसके वास्तविक स्वामी रोबिन कैन्तुरा को सुपुर्द किया गया। मोबाइल पाकर शिकायतकर्ता द्वारा घनसाली पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने जंगलात बैरियर के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 45 पव्वे बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम श्रीमती कृष्णा देवी उर्फ भूरन पत्नी राजे निवासी न्यू जाटव बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डीएम की संस्तुति पर उप निबन्धक...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

जिला प्रशासन द्वारा उप निबन्धक क निलम्बन एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की संस्तुति शासन को प्रेषित की गई थी। जिला प्रशासन की रिपोर्ट पर शासन द्वारा उप निबन्धक को निलिम्बित करते हुए मुख्यालय से सम्बद्ध करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। जिला प्रशासन के इस एक्शन को राजस्व हितों से खिलवाड़, भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत देखा जा रहा है तथा भविष्य में भी इस तरह के एक्शन देखने को मिल सकते हैं।

दून में कानून-व्यवस्था पर बवाल..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं, अपितु राज्य की सामाजिक शांति एवं नागरिकों के विश्वास को भी प्रभावित कर रही हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में राज्य की कानून-व्यवस्था की यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक एवं अस्वीकार्य है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पुलिस प्रशासन से राज्यभर में घटित हत्याकांड की घटनाओं पर ठोस परिणामों की अपेक्षा करते हुए मांग करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी संवेदनशील एवं अपराध-प्रवण क्षेत्रों में विशेष पुलिस अभियान चलाया जाए। पुलिस मुख्यालय घेराव कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, विधायक लखपत सिंह बुंटोला, जिला पचांयत अध्यक्ष सुखसविन्दर कौर, पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक मनोज रावत, राजकुमार, प्रदेश कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, महामंत्री राजेन्द्र भंडारी, राजेन्द्र शाह, राजीव महर्षि, गोदावरी थापली, महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परीक्षा में नकल करा रहे दो लोग गिरफ्तार

❑आवश्यक उपकरण कब्जे में लेने के उपरान्त परीक्षा केन्द्र किया गया सील

संवाददाता

देहरादून। एसएससी की परीक्षा में नकल कराने वाले सहित दो लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर आवश्यक उपकरणों को कब्जे में लेकर परीक्षा केन्द्र को सील कर दिया।

आज यहां पुलिस महानिरीक्षक साइबर/एसटीएफ निलेश आनंद भरणे द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा आयोजित एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग) मल्टी टॉस्किंग भर्ती परीक्षा-2025 की परीक्षा भारत वर्ष के साथ ही उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न परीक्षा केन्द्रो में आयोजित की जा रही थी, परीक्षा के दौरान असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने तथा उनके द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने का प्रलोभन देकर अपने झांसे में लिए जाने की संभावना के दृष्टिगत पुलिस तथा एसटीएफ उत्तराखंड द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही थी। जिसमें एस.टी.एफ. उत्तरप्रदेश व एस.टी.एफ. उत्तराखण्ड को उक्त परीक्षा में कुछ लोगों द्वारा गिरोह बनाकर अभ्यर्थियों को धोखा देने की नीयत से उन्हें परीक्षा में पास करने का प्रलोभन देकर मोटी धनराशि की मांग किये जाने तथा एक परीक्षा केन्द्र मे नकल कराये जाने का इनपुट प्राप्त हुये, प्राप्त इनपुट पर पुलिस महानिरीक्षक, एस.टी.एफ. डॉ. नीलेश आनन्द भरणे के निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ आरबी चमोला के निकट पर्यवेक्षण एसटीएफ की टीम द्वारा उत्तराखण्ड एस.टी.एफ. व उत्तरप्रदेश एस.टी.एफ. की संयुक्त कार्यवाही के दौरान परीक्षा केन्द्र महादेव डिजिटल जोन, एम.के.पी इण्टर कालेज देहरादून में प्राप्त इनपुट के आधार पर दबिश दी गयी तो परीक्षा लैब के पास बने यूपीएस रूम में एक कोने पर एक अण्डर ग्राउण्ट चेम्बर (गड्डा) 24'24 इंच का बनाकर उसमें 02 लेपटॉप मय राउटर के स्वचालित अवस्था में मिले, जिनको रिमोटली चलाया जा रहा था। उक्त दोनों लैपटाप के माध्यम से परीक्षा में प्रश्न पत्रों को हल करने में मदद की जा रही थी। एस.टी.एफ. टीम द्वारा तकनीकी व फॉरेन्सिक उपकरणों का प्रयोग करते हुए उक्त सिस्टम में कब्जे में लेकर सील किया गया तथा उक्त अवैध गतिविधि में संलिप्त 02 व्यक्तियो नीतिश कुमार पुत्र चन्द्रभान गौड़ निवासी भाटपार रानी देवरिया, उ.प्र. हाल निवासी नागलोई दिल्ली व भास्कर नैथानी पुत्र दिनेश चन्द्र नैथानी निवासी नथुवावाला, देहरादून को गिरफ्तार किया गया मुकदमा दर्ज किया गया। जिसकी जांच अपर पुलिस अधीक्षक रैंक के पुलिस अधि कारी द्वारा की जायेगी पूछताछ में पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त लोगों द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने के लिए अभ्यर्थी से 10 लाख रूपये की मांग की जाती थी और अत्याध ुनिक तकनीकी का प्रयोग कर उनके कम्प्यूटर को रिमोटली एक्सेस लेकर उनका प्रश्नपत्र हल किया जाता था। सह आरोपियों की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित की गयी है उनके द्वारा संभावित स्थानों पर दबिश व छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महित नगर निवासी दिनेश जैन ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहा था जब वह पण्डितवाडी बाजार में पहुंचा तभी पीछे से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

समस्याओं का निस्तारण करना शासन प्रशासन का परम दायित्वः जिलाधिकारी

❑राज्य आंदोलनकारियों का चयन हमारी प्राथमिकता

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने कहा कि आप हमारे राज्य के निर्मातागण आपकी समस्याओं का निस्तारण करना शासन-प्रशासन का परम दायित्व है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आज ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में राज्य आंदोलनकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण सहित विभिन्न लंबित विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान राज्य आंदोलनकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव एवं मांगें प्रस्तुत कीं। विशेष रूप से शपथ-पत्र के आधार पर राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए जाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इस पर जिलाधि कारी ने आश्वस्त किया कि संगठनों द्वारा प्रस्तुत शपथ-पत्रों एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर प्रकरण को प्रबल संस्तुति के साथ शासन को प्रेषित किया जाएगा, ताकि उचित स्तर पर निर्णय लिया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आप हमारे राज्य के निर्मातागण आपकी समस्याओं का निस्तारण करना शासन-प्रशासन का परम दायित्व है। जिलाधिकारी ने समिति के गठन के संबंध में कहा कि सभी संगठन आपसी समन्वय एवं सर्वसम्मति से समिति सदस्यों के नाम प्रस्तावित कर प्रेषित करें। प्राप्त नामों पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन राज्य आंदोलनकारियों की भावनाओं एवं योगदान का सम्मान करता है तथा विषय के समाधान हेतु संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री के संकल्पानुसार राज्य आंदोलनकारी चयन हमारी प्राथमिकता है। प्राप्त सुझाव, मानको में संशोधन चयन कमेटी निर्धारण आपके सौजन्य व विमर्श से ही किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि संवाद एवं समन्वय के माध्यम से ही समस्याओं का सकारात्मक समाधान संभव है तथा प्रशासन इस दिशा में निरंतर प्रयासरत रहेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के.के. मिश्रा, उप जिलाधिकारी हरी गिरी सहित विभिन्न राज्य आंदोलनकारी संगठनों के प्रतिनिधि ओमी उनियाल, उर्मिला शर्मा, डी.एस. गुंसाई, सुरेश कुमार, चिंतन कुमार, राजेश शर्मा, पर्मिला रावत, मौहम्मद ईकबाल, संजीव कुमार मनवाल आदि उपस्थित रहे।

स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह

डिग्री के साथ मानवता की सेवा का दायित्व भी जुड़ा है: जेपी नड्डा

संवाददाता

देहरादून। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि डिग्री के साथ मानवता की सेवा का दायित्व भी संस्थान के साथ जुडा है।

आज यहां केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रांट स्थित स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में क्रमश: मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न संकायों में डिग्री प्राप्त करने वाले 1001 छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत केवल एक शैक्षणिक पड़ाव नहीं, बल्कि जीवन की नई यात्रा की शुरुआत है। डिग्री के साथ मानव निर्माण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल के अगले 25 वर्ष विकसित भारत के निर्माण के निर्णायक वर्ष होंगे, जिनमें आज के युवा साक्षी ही नहीं, कर्ताधर्ता भी बनेंगे। प्राप्त शिक्षा का उपयोग मानवता, गरीब और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए करने का आह्वान उन्होंने किया। केंद्रीय मंत्री ने विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान मानव सेवा, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधन करते हुए सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की युवा शक्ति राज्य की सबसे बड़ी ताकत है और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय ने शिक्षा, चिकित्सा और जनसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखंड के तीसरे दशक" की अवधारणा के अनुरूप उत्तराखंड में विकास कार्य संपादित किया जा रहे हैं। उन्होंने रिवर्स पलायन, राज्य के जल- जंगल बचाने के लिए लिए गए ठोस निर्णयों, दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क-बिजली-इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच, पर्यटन विकास, एसडीजी रैंकिंग, मत्स्य विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हो रहे सकारात्मक बदलावों की से अवगत कराया। राज्य के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तराखंड मानव संसाधन से लेकर और संरचनात्मक सभी स्तर पर बेहतर कार्य कर रहा है और केंद्र सरकार से उत्तराखंड को स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में लगातार अनुकरणीय सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने स्वामी राम हिमालयन संस्थान के उत्तराखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे योगदान की सराहना की। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने शिक्षा को केवल डिग्री मात्र नहीं बल्कि आत्मज्ञान, सशक्तिकरण और परिवर्तन का माध्यम बताया।

शिवाचार्य केदारलिंग होंगे केदारनाथ धाम के नए रावल

❑शिवरात्रि पर होगी कपाट खुलने की तिथि की घोषणा

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। बाबा केदार की आध्यात्मिक विरासत और 324 वर्षों की परंपरा में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में संपन्न हुई पट्टाभिषेक रजत जयंती के पावन अवसर पर केदार जगद्गुरु रावल भीमाशंकर लिंग शिवाचार्य महाराज ने अपने स्वास्थ्य कारणों से दायित्वों से विराम लेने और नए उत्तराधिकारी की घोषणा कर दी है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित अपने मठ में केदारनाथ के वर्तमान रावल 70 वर्षीय भीमाशंकर लिंग ने कहा कि वह स्वास्थ्य कारणों से अब केदारनाथ के रावल का पद संभालने में असमर्थ हैं। इसलिए वह अपने शिष्य शिवाचार्य शांति लिंग (केदार लिंग) को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते हैं। उन्होंने सुयोग्य शिष्य शिवाचार्य शांति लिंग महाराज (जिन्हें केदार लिंग के नाम से भी जाना जाता है) को केदारपीठ का नया जगद्गुरु रावल घोषित किया। शांति लिंग महाराज लंबे समय से रावल जी के सान्निध्य में रहकर केदारनाथ की प्राचीन पूजा-पद्धति और वीरशैव परंपराओं का गूढ़ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। रावल के इस लिखित बयान की विधिवत घोषणा 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में की जाएगी। इस दौरान वर्ष 2026 के लिए केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि भी घोषित की जाएगी। इस दौरान डंगवाड़ी, भटवाड़ी, चुनी-मंगोली, किमाणा एवं पचौली डुंगर सेमला के हक-हकूकधारी एवं दस्तूरधारी ग्रामीण भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे।

वैलेंटाइन डे पर कार में मिला युवक-युवती का शव

हमारे संवाददाता

नोयडा। थाना सेक्टर-39 इलाके में आज सुबह एक कार के भीतर युवक और युवती के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस को शुरुआती जांच में युवक के हाथ में पिस्तौल भी मिली है, जिसके आधार पर युवती को गोली मारने के बाद युवक द्वारा खुदकुशी किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कार में शवों की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-39 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कार को खोलकर देखा तो अंदर युवक-युवती के शव पड़े थे। इस दृश्य के बाद आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर भीड़ जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। युवक- युवती दिल्ली के त्रिलोकपुरी के रहने वाले बताए जा रहे है। लड़की का नाम रेखा तथा लड़के का नाम सुमित बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि गोली किस परिस्थिति में चली, मौत का समय क्या है और घटनाक्रम में कोई दूसरा एंगल तो नहीं।

जिलाधिकारी ने रिसार्ट में फायरिंग करने वाले का किया लाईसेंस निरस्त

हमारे संवाददाता

नैनीताल। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने रिसोर्ट पर हवाई फायरिंग करने वाले बहादुर सिंह बिष्ट का शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिया है।

जानकारी के अनुसार परमपुर धमोला, थाना कालाढूंगी निवासी बहादुर सिंह बिष्ट पुत्र राम सिंह बिष्ट द्वारा रिसोर्ट में ड्यूटी पर तैनात गार्ड एवं रिसेप्शन स्टाफ के साथ अभद्रता की थी। साथ ही उसने रिसोर्ट के गेट पर हवाई फायरिंग करने को अंजाम दिया। मामले की जानकारी मिलने पर जिला मजिस्ट्रेट नैनीताल ललित मोहन रयाल ने कड़ा रुख अपनाया है।

प्रकरण में शस्त्र अनुज्ञप्ति की शर्तों एवं आयुध अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने अभियोजन पक्ष की दलीलों को सुनने के उपरांत बहादुर सिंह बिष्ट का शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने का आदेश जारी किया है। बताया गया है कि उक्त कृत्य से सार्वजनिक शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी।

जिला अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि शस्त्र लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आयुर्वेदिक के छात्र ने गंगा में कूदकर की आत्महत्या

❑सुसाइड नोट में लिखा 'जीवन में कुछ नहीं कर पाया'

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के बी.ए.एम.एस. द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने मानसिक तनाव के चलते गंगा में कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस को छात्र के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उसने जीवन से हताश होने की बात लिखी है।

जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र की पहचान यशपाल (21 वर्ष), पुत्र पुष्पेंद्र पाल के रूप में हुई है। यशपाल मूल रूप से शाही भवन, इंदिरा नगर, पेंडलेगंज, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) का निवासी था और यहाँ हरिद्वार की विकास कॉलोनी, मायापुर में किराए पर कमरा लेकर रहता था। सुबह यशपाल अपने कमरे से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा।

परिजनों और परिचितों की चिंता बढ़ने पर जब उसके कमरे की तलाशी ली गई, तो वहां से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ। नोट में यशपाल ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए लिखा कि वह अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाया है और वह अपनी जिंदगी से खुश नहीं है। इसी हताशा के कारण उसने गंगा जी में कूदकर आत्मघाती कदम उठाने का निर्णय लिया।

सूचना मिलते ही पुलिस और कंट्रोल रूम (112) सक्रिय हुए। खोजबीन के दौरान पथरी पावर हाउस के पास गंगा जी में एक युवक का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान यशपाल के रूप में की गई है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मेला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और गोरखपुर में रह रहे परिजनों को सूचित कर दिया गया है। यशपाल की मौत की खबर फैलते ही ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के छात्रों में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई। साथी छात्रों ने कॉलेज परिसर और अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच होनी चाहिए ताकि आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों और किसी संभावित दबाव का पता चल सके।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।